नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–I

(संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. सूत्र साहित्य पर निबंध लिखिए ।
2. अरण्यक साहित्य का सामान्य परिचय दीजिए ।
3. उपनिषद् का अर्थ स्पष्ट करते हुए प्रमुख उपनिषदों का वर्णन कीजिए ।
4. शतपथ– ब्राह्मण का परिचय दीजिए ।
5. प्रतिशाख्य साहित्य पर भेद सहित प्रकाश डालिए ।
6. देवों की अनेकता में एकता का वर्णन कीजिए ।
7. स्तोत और विष्टुति का भेद स्पष्ट करते हुए सामगान के भेदों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।
8. वाजसनेयी संहिता का परिचय दीजिए ।
9. यजुर्वेद के वर्ण्य–विषय पर प्रकाश डालिए ।
10. अरण्यक का परिचय देते हुए ऋग्वेदीय आरण्यकों पर प्रकाश डालिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

EXAMINATION PROGRAMME-2022
Sanskrit, Part-I

Date	Papers	Time	Examination Centre
25.08.2022	Paper–I	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
27.08.2022	Paper–II	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
29.08.2022	Paper–III	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
31.08.2022	Paper–IV	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
02.09.2022	Paper–V	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
06.09.2022	Paper–VI	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
10.09.2022	Paper–VII	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
12.09.2022	Paper–VIII	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–II

(लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. संस्कृत साहित्य के ऐतिहासिक महाकाव्य का परिचय दीजिए ।
2. ''मुद्राराक्षस'' नाटक की विशेषताओं को निरूपित कीजिए ।
3. श्रृंगारमूलक गीतिकाव्य में अमरूक कवि का स्थान निरूपित कीजिए ।
4. दण्डिनः पदलालित्यम् अथवा 'वाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम' की विवेचना कीजिए ।
5. 'उत्तररामचरिते भवभूतिविशिष्टयते'–इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
6. कथा एवं आख्यायिका के साम्य–वैषम्य पर विचार करते हुए कादम्बरी की विधा निरूपित कीजिए ।
7. महाकवि कालिदास के श्रृंगार वर्णन की समीक्षा कीजिए ।
8. पंचतंत्र की विश्व व्यापकता पर प्रकाश डालिए ।
9. गद्य काव्य की उत्पत्ति तथा विकास पर प्रकाश डालिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :–
    (क) भवभूति
    (ख) मेघदूत

ꕥ ꕥ ꕥ

EXAMINATION PROGRAMME-2022
Sanskrit, Part-I

Date	Papers	Time	Examination Centre
25.08.2022	Paper–I	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
27.08.2022	Paper–II	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
29.08.2022	Paper–III	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
31.08.2022	Paper–IV	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
02.09.2022	Paper–V	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
06.09.2022	Paper–VI	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
10.09.2022	Paper–VII	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
12.09.2022	Paper–VIII	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–III

(भाषा विज्ञान तथा लिपि विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वैदिक–लौकिक संस्कृत की तुलना कीजिए ।
2. अर्थ परिवर्तन के कारणों का विवेचना कीजिए ।
3. नागरी लिपि की समस्याओं का उल्लेख करते हुए समाधान के लिए किये गये प्रस्तावों का विवेचना कीजिए ।
4. आकृतिमूलक वर्गीकरण का क्या अर्थ है ? इसके भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए ।
5. भाषा परिवारों का उल्लेख करते हुए किन्हीं दो भाषा परिवारों पर टिप्पणी लिखिए :–
   (क) चीनी परिवार
   (ख) अमरिकी परिवार
   (ग) जापानी कोरियाई परिवार
   (घ) बान्तु परिवार
6. स्वनिम किसे कहते हैं ? सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
7. भाषा विज्ञान के लिए प्रयुक्त अन्य नामों में आप किसे उचित मानते हैं और क्यों ? उत्तर दीजिए ।
8. प्रश्लिष्ट योगोत्मक भाषा को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । आकृतिमूलक वर्गीकरण की क्या उपयोगिता है ।
9. अवेस्ता ओर वैदिक संस्कृत की विषमताओं का सोदाहरण परिचय दीजिए ।
10. नागरी लिपि की विशेषताओं का परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–IV

(भारतीय दर्शन एवं संस्कृति)

वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–क (भारतीय दर्शन)

1. चार्वाक की तत्त्वमीमांसा का विवेचन कीजिए ।
2. यमों का परिचय देते योग के आधुनिक महत्त्व को समझाइये ।
3. बौद्ध और जैन दर्शन का निरूपण संक्षेप में कीजिए ।
4. सांख्य योग दर्शन का परिचय दीजिए ।
5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :–
   (क) अष्टांगिक मार्ग
   (ख) वेदान्त दर्शन
   (ग) उपमान प्रमाण
   (घ) द्वैतवाद

खण्ड–ख (भारतीय संस्कृति)

6. वानप्रस्थ तथा सन्यास आश्रमों का वर्णन कीजिए ।
7. भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताओं का निरूपण कीजिए ।
8. दान की महिमा का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
9. वर्ण और जाति का अन्तर समझाते हुए जाति प्रथा का परिचय दीजिए ।
10. संयुक्त परिवार की विशेषताएँ बताते हुए अतिथि–सत्कार के महत्त्व का वर्णन कीजिए ।

ஐ ஐ ஐ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–V

(संस्कृतेत्तर भारतीय भाषाएँ)

वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. तमिल साहित्य के इतिहास के काल विभाजन पर प्रकाश डालिए ।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन एवं नामकरण पर विचार कीजिए ।
3. कृत्तिवास रामायण का परिचय दीजिए ।
4. जैन आगम साहित्य पर प्रकाश डालिए ।
5. मराठी संतकाव्य का परिचय दीजिए ।
6. भक्तिकाल की विभिन्न धाराओं का परिचय दीजिए ।
7. तेलुगु के राम–काव्य का परिचय दीजिए ।
8. द्विवेदी युग के दो प्रमुख रचनाकारों का परिचय दीजिए ।
9. पालि अभिलेखों का परिचय दीजिए ।
10. किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणी लिखिए –
    (क) अपभ्रंश कृष्ण–काव्य
    (ख) तुलसीदास
    (ग) संदेश रासक
    (घ) रीतिकाल की प्रवृत्तियां

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–VI

(संस्कृत व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. विसर्ग संधि किसे कहते हैं ? विसर्ग संधि विषयक पाँच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।

2. तत्पुरूष समास किसे कहते हैं ? इसके विभिन्न भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

3. निम्नलिखित में किन्हीं चार संज्ञाओं का लक्षण उदाहरण के द्वारा समझा कर लिखें :–
   (i) पद (ii) प्रातिपदिक (iii) टि
   (iv) उपधा (v) उपसर्ग (vi) संहिता

4. वर्णों के उच्चारण–स्थान से क्या तात्पर्य है ? कण्ठ्य, तालव्य, मूर्धन्य और दन्त्य वर्णों की विवेचना कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर टिप्पणी लिखिए :–
   (i) अधिकारसूत्र (ii) प्रत्याहार संज्ञक विधायक सूत्र
   (iii) विधिसूत्र (iv) वार्तिक
   (v) माहेश्वर सूत्र (vi) भाष्य

6. अधोलिखित किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) प्रथमानिर्दिष्टं समास उपसर्जनम् (ii) शेषाद्विभाषा (iii) अनेकमन्यपदार्थे
   (iv) चार्थे द्वन्द्वः (v) द्वन्द्वश्च प्राणितूर्य–सेनाङ्गानाम् (vi) राजदन्तादिषु परम्
   (vii) परवत् लिंङ्ग द्वन्द्वतत्पुरूषयोः (viii) उपपदमतिङ्

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पदों की समास विग्रह पूर्वक रूपसिद्धि कीजिए :–
   (i) पाणिपादम् (ii) दम्पती
   (iii) अधिगोपम् (iv) जितेन्द्रियः
   (v) चन्द्रशेखरः (vi) प्रतिदिनम्

8. अधोलिखित किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) चार्थे द्वन्द्वः (ii) अन्यपदार्थ प्रधानो बहुब्रीहि
   (iii) आङ्मर्यादाभिविध्योः (iv) पूर्वपदप्रधानोऽव्ययीभावः
   (v) येषां च विरोधः शाश्वतिकः (vi) तेन सहेति तुल्ययोगे वोत्सर्जनस्य

9. निम्नलिखित में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) अकः सवर्णे दीर्घः (ii) एङः पदान्तादति (iii) वृद्धिरेचि
   (iv) विसर्जनीयस्य सः (v) एचोऽयवादावः (vi) स्तोःश्चुना श्चुः
   (vii) इदूदेतु द्विवचनं प्रगृह्यम् (viii) शश्छोऽटि

10. सूत्रनिर्देश पूर्वक किन्हीं चार पदों की रूपसिद्धि कीजिए :–
    (i) गङ्गौधः (ii) ब्रह्मर्षिः (iii) मनीषा (iv) प्रेजते
    (v) मनोरथः (vi) पावकः (vii) उपेन्द्रः (viii) दैत्यारिः

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–VII

(भारतीय काव्य शास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. महाकाव्य का लक्षण निरूपित कीजिए ।
2. शब्द शक्ति किसे कहते हैं ? उसके भेदों का परिचय दीजिए ।
3. ध्वनिकाव्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए ।
4. साधारणीकरण के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए रसानुभूति में उसकी भूमिका पर विचार कीजिए ।
5. रूपक किसे कहते हैं ? उसके भेदों का परिचय दीजिए ।
6. रस दोष कितने माने गये हैं ? उनका सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
7. औचित्य को काव्य का प्राण मानना कहाँ तक उचित है ? युक्तिपूर्ण उत्तर दीजिए ।
8. काव्य दोष को परिभाषित करते हुए उसके प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए ।
9. ध्वनि–सिद्धान्त की स्थापनाओं का मूल्यांकन कीजिए ।
10. निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय दीजिए :–
    (क) अनुप्रास (ख) उपमा
    (ग) अर्थान्तरन्यास (घ) परिसंख्या

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० (संस्कृत)
पार्ट-I पत्र-VIII (संस्कृत रचना)
वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिसमें प्रश्न सं०–1 अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किसी ***एक*** विषय पर संस्कृत में कम–से–कम 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए :–
   (क) पर्यावरण प्रदूषण समस्या (ख) महिला सशक्तिकरण (ग) पर्यटन

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :–
   (i) दशरथ के चार पुत्र थे । (ii) जंगल में मोर नाच रहे थे । (iii) वह घर जाकर भोजन करेगा ।
   (iv) मैं विद्यालय जाना चाहती हूँ । (v) वह गाँव जाते हुये तृण को छूता है । (vi) बालक को दूध अच्छा लगता है।
   (vii) मोहन लेखनी से लिखता है । (viii) हम ईश्वर को प्रणाम करते हैं । (ix) हम दोनों चित्र देखेंगे ।
   (x) सीता राम के साथ वन जाती है । (xi) हमें अपने देश की रक्षा करनी चाहिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :–
   अपि, बिभेति, श्वः, कुत्र, नूनम् आगम्य, गच्छन्, स्वस्ति, स्नातुम्, कदा, प्रातः, गृहीत्वा ।

4. पूछे गये प्रश्नों के उत्तर निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दीजिए :–
   एकस्मिन् नगरे चत्वारः ब्राह्मणपुत्राः परस्परं मित्रभावेन वसन्ति स्म । तेषां त्रयः शास्त्रपारंगता परन्तु बुद्धिविहीनाः आसन् । एकस्तु बुद्धिमान् परं शास्त्र–पराङ्मुखः आसीत् । तस्य नाम सुबुद्धिः आसीत् । अथ कदाचित् तैः मन्त्रितम्–को गुणो विद्यायाः यदि देशान्तरं गत्वा धनोपार्जनम् न क्रियते । ततः ते पूर्वदेशं प्रति प्राचलन् ।
   तथाऽनुष्ठिते तैः मार्गं अख्यां कानिचित् अस्थीनि अपश्यन् । ततः एकेन उक्तम्–'अहो अद्य विद्यायाः प्रयोगं कुर्मः । किञ्चिदेतद् सत्वं मृतं तिष्ठति । तद् विद्याप्रभावेण जीवितं कुर्मः । अहमस्थिसञ्चयं करोमि । ततः तेन अस्थिसञ्चयः कृतः । द्वितीयेन चर्ममांसरुधिरं संयोजितम् । तृतीयोऽपि यावज्जीवनं सञ्चारयति तावत्सुबुद्धिना निषिद्धः' भो तिष्ठतु भवान् । एषः सिंहः प्रतीयते । यद्येनं सजीवं करिष्यसि ततः सः सर्वानपि व्यापादयिष्यति ।
   इति श्रुत्वा तेन कथितम् 'धिङ् मूर्ख । नाऽहं विद्यायाः विफलतां करोमि ।' ततः सुबुद्धिः अवदत् 'तर्हि प्रतीक्षस्व क्षणमेकम् यावदहं वृक्षमारोहामि ।' इति कथयित्वा सः वृक्षम् आरोहत् । तदा तृतीयेन ब्राह्मणेन यावत् तस्मिन् प्राणाः सञ्चारिताः तावत् तेन जीवितेन सिंहेन त्रयोऽपि व्यापादिताः । तत्पश्चात् सुबुद्धिः वृक्षादवतीर्थ गृहं गतः । अतः व्यावहारिकं ज्ञानम् अपेक्ष्यते ।
   (i) उपयुक्तं शीर्षकं लेखनीयम् । (ii) जीवितेन सिंहेन के व्यापादिताः ?
   (iii) ते कुत्र प्राचलन् धनोपार्जनाय ? (iv) तेषां त्रयः कीदृशा आसन् ?
   (v) ब्राह्मणपुत्राणां मध्ये कस्य बुद्धिः व्यावहारिकी आसीत् । (vi) ते मार्गे किम् अपश्यन् ।
   (vii) शास्त्रपराङ्मुखस्य नाम किम् आसीत् ? (viii) एकस्मिन् नगरे कति ब्राह्मणपुत्राः अवसन् ?

5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए –
   स्वतन्त्रता–दिवसः भारतवर्षसय राष्ट्रियः उत्सवः अस्ति। अयम् उत्सवः अगस्तमासस्य पञ्चदश्यां तिथौ भवति। पूर्वं भारतदेशः पराधीनः आसीत्। अस्मिन् एव दिवसे 1947 तमे वर्षे अस्माकं देशः स्वतन्त्रोऽभवत्। अतएव भारतीयाः प्रतिवर्षं एतस्मिन्नेव दिवसे इमम् उत्सवं समायोजयन्ति। लोकमान्यः बालगङ्गाधर तिलकः, महात्मा गांधी, राजेन्द्र प्रसादः, बल्लभभाई पटेलः, जवाहरलालनेहरूः एते अन्ये च अनेके महापुरूषाः भारतदेशस्य स्वतन्त्रतायै महान्तं प्रयत्नमकुर्वन्। भारतस्य स्वतन्त्रतायै भगतसिंहसुखदेवादयः अनेके देशभक्ताः स्वप्रणान् अत्यजन्। दिल्लीनगरे एतस्य उत्सवस्य शोभा अतीव रमणीया भवति। एतस्मिन् दिवसे प्रातः लालकिलानामके दुर्गप्रकारे अस्माकं देशस्य प्रधानमंत्री ध्वजारोहणं करोति। ध्वजारोहणानन्तरं प्रधानमंत्री देशवासिनः सन्दिशति। शत्रौ विद्युद्दीपकैः सर्वाणि राष्ट्रियभवनानि शोभन्ते। एतस्मिन्नेव दिवसे वयं प्रतिज्ञां कुर्मः यद् वयं श्रेष्ठाः नागरिकाः भविष्यामः भारतस्य सर्वविधविकासाय प्रयत्नशीलाः भविष्यामः अस्य च स्वतन्त्रतां प्राणपणेन रक्षिष्यामः च।
   प्रश्नाः– (i) अस्य अनुच्छेदस्य समुचितं शीर्षकं लिखत? (ii) स्वतन्त्रतादिवसे अस्माभिः का प्रतिज्ञा कर्त्तव्या?
   (iii) भारतस्य स्वतन्त्रायाः कृते के प्राणान् अत्यजन्? (iv) स्वतन्त्रतादिवसः कदा सम्पद्यते?
   (v) रात्रौ सर्वाणि राष्ट्रियभवनानि कथं शोभन्ते? (vi) प्रधानमंत्री कुत्र ध्वजारोहणं करोति?
   (vii) भारतभूमेः स्वतन्त्रायै के महान्तं प्रयत्नमकुर्वन्? (viii) भारतवर्षस्य राष्ट्रियः उत्सवः कोऽस्ति?

6. शैक्षिकभ्रमण का वर्णन करते हुये अपने मित्र को संस्कृत में एक पत्र लिखिए ।

7. छात्रवृत्ति हेतु अपने प्राचार्य को एक आवेदन पत्र लिखिए ।

8. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   संस्कृतभाषा देवभाषा, प्रायः सर्वासां भारतीयभाषाणां जननी, प्रादेशिकभाषाणाञ्च प्राणभूता । यथा प्राणी अन्येन जीवति, परन्तु वायुं विना अन्नमपि जीवनं रक्षितुं न शक्नोति, तथैव अस्मद् देशस्य कापि भाषा संस्कृतभाषावलम्बनं बिना जीवितुमक्षमेति । निःसंशयम् अस्यामेव अस्माकं धर्मः, अस्माकमितिहासः, अस्माकं भूतं भविष्यञ्च सर्वं सुसन्निहितम् अस्ति ।

9. (क) रिक्त स्थानों की पूर्ति सामने दिए गए पदों के विकल्प से चयन कर कीजिए :–

(i) अद्य ..... महाविद्यालये महोत्सवः विद्यते (माम्, मम)
(ii) .....स्वच्छतया कार्यं कुरूतम् (युष्मान्, युष्माभिः)
(iii) शिक्षिका.....बोधयति (युष्मान्, यूयम्)
(iv) तडागे ..... जलम् अस्ति (कति, कियत्)
(v) ..... रामायणं लिखितवान् (केन, कः)
(vi) ..... मम गृहम् अस्ति (अयम्, इदम्)
(vii) कालिदासेन ..... नाटकानि रचितानि (त्रीणि, त्रयः)
(viii) ..... पठनं रोचते (त्वं, तुभ्यम्)
(ix) रूदतः ..... माता कार्यालयम् जगाम (पुत्रस्य, पुत्रम्)
(x) ..... बालकस्य पिता देहल्यां तिष्ठति (तस्य, तेन)
(xi) ..... साकं कः गच्छति (रामस्य, रामेण)
(xii) ..... पठितुं वाञ्छामि (भवतः, भवान्)
(xiii) .....कतमः न्यायस्य पण्डितः अस्ति (अस्माकम्, अस्मासु)
(xiv) .....धैयर्म् अधिकम् (त्वयि, तुभ्यम्)
(xv) .....पन्थानं पृच्छति। (माणवके, माणवकं)
(xvi) ..... समं न हि किञ्चित् (ज्ञानेन, ज्ञानस्य)

10. (क) निम्नलिखित पदों के विग्रह कीजिए :–

पीताम्बरः, महात्मा, दशाननः, गौरी शंकरौ, केशाकेशि, प्राचार्यः, चन्द्रमुखी, महापुरूषः

(ख) निम्नलिखित अनेक शब्दों के स्थान पर एक पद लिखिए :–

(i) व्याघ्र इव आचरति । (ii) प्रश्नं करोति । (iii) नमः करोति । (iv) लब्धा प्रतिष्ठा येन सः ।
(v) अद्रुमः द्रुमः भवति । (vi) अल्पा बुद्धिः यस्य सः । (vii) वसुदेवस्य अपत्यं पुमान् । (viii)पठितुम् इच्छति ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II
पत्र-IX
(वेद तथा उपनिषद)
वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा   पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वैदिक आर्यों के जीवन में अग्नि के महत्व पर प्रकाश डालिए ।
2. उषा शब्द का निर्वचन यास्क के अनुसार लिखिए ।
3. अधोलिखित मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :—
   (क) यस्या श्रवासः प्रदिशि यस्य गावो यस्य ग्रामायस्य विश्वेरथासः य सूर्य य उषस जजान यो अपां नेता स नजास इन्द्रः ।।
   (ख) अग्ने चं यज्ञमंध्वरं विश्वतः परिभूरसिं । स इद्देवेषु गच्छति ।
4. शान्तिपाठ का तात्पर्य स्पष्ट करते हुये इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।
5. स्वाध्याय और प्रवचन के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।
6. सूर्य की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।
7. शिव—संकल्प—सूक्त का परिचय दीजिए ।
8. 'अक्षराभ्यास की संहिता जीवन में महासंहिता बने'—इसे स्पष्ट कीजिए ।
9. सामाजिक दृष्टि से 'सामनस्यम' सूक्त के महत्त्व की विवेचना कीजिए ।
10. अधोलिखित मंत्रों में से किन्हीं ***दो*** मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :—
    (क) इदं सर्वं यदयमात्या ।
    (ख) एवं सर्वषां वेदानां वागेकायनम् ।
    (ग) ''न प्रेत्य संज्ञाऽस्ति इति अरे ब्रवीमि इति ।''
    (घ) ''आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासितव्यः ।''

EXAMINATION PROGRAMME-2022
M.A. Political Science, Urdu & Sanskrit, Part-II

Date	Papers	Time	Examination Centre
14.01.2023	Paper–IX	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
16.01.2023	Paper–X	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
17.01.2023	Paper–XI	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
19.01.2023	Paper–XII	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
21.01.2023	Paper–XIII	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
23.01.2023	Paper–XIV	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
24.01.2023	Paper–XV	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
25.01.2023	Paper–XVI	2.30 PM to 5.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-X

(प्राचीन संस्कृत पद्यकाव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. महर्षि वाल्मीकि का संक्षिप्त परिचय देते हुये वर्तमान समय में रामायण की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।
2. किष्किन्धा कांड में प्रकृति और उसके मानवीकरण पर प्रकाश डालिए ।
3. गीता में आत्म तत्त्व का निरूपण कीजिए ।
4. भक्त के लक्षण बताते हुये भगवत् प्राप्ति के साधनों का उल्लेख कीजिए ।
5. महाभारत के अन्तर्गत विदुर नीति की विषयवस्तु लिखिए ।
6. 'योगः कर्मसु कौशलम' इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
7. गीता के ज्ञान योग की विवेचना कीजिए ।
8. संस्कृत के कुछ नीति उपदेशक ग्रन्थों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।
9. उपजीव्य काव्य के अन्तर्गत आने वाले ग्रंथों का उल्लेख कीजिए ।
10. अधोलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए :–

    (क) तुल्य निन्दास्तुतिमौंनी संतुष्टो येन केनचित्
    अनिकेत स्थिरमतिर्भक्तिमान् मे प्रियो नरः ।

    (ख) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
    मा कर्मफल हेतुर्भू मा ते संगोस्त्वकर्मणि ।।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XI

(मध्यकालीन एवं आधुनिक संस्कृत काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किन्हीं ***दो*** पद्यों की व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :–
   (क) सा पद्मरागं वसनं वसाना पद्मानना पद्मदलायताक्षी ।
   पद्मा किपद्मा पतितेव लक्ष्मीः शुशोष पद्मस्रगिवातपेन ।
   (ख) तां सैव वेत्र–ग्रहणे नियुक्ता राजान्तरम् राजसुतां निनाय ।
   समीरिणोत्थेव तरङ्ग–लेखा पद्मान्तरं मानस राजहंसीम् ।
   (ग) सेवार्थमादर्शमनन्यचित्तो विभूषयन्त्या मम धारयित्वा ।
   बिभर्ति सोऽन्यस्य जनस्य तं चेन् नमोऽस्तु तस्मै चलसौहृदाय ।।
   (घ) विलम्बहारा चलयोक्त्रका सा तस्मात् विमानात् विनता चकाशे ।
   तपःक्षपात् अप्सरसां वरेव च्युतंविमानात् प्रियमीक्षमाणा ।

2. निम्न पद्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   (क) अथ स्तुते बन्दिभि अन्वयज्ञैः सोमार्कषंश्ये नरदेवलोके ।
   संचारिते चागुरू–सार–योनौ धूपे समुत्सर्पति वैजयन्ती ।।
   (ख) राधेय कौन्तेङयोऽथवाऽङ्म राजोऽमेव–मित्यथवा ।
   जानेऽहमपि न किञ्चिचद् दिवाकरौ मां प्रबोधयतात् ।।
   (ग) स किसरवा साधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न संश्रृणुते स किंप्रभुः ।
   सदानुकूलेषु हि कुर्वते रति नृपेष्वभात्येषु च सर्वसम्पदः ।।
   (घ) स तु त्वदर्थ गृहवासभप्सनु जिजीविषुः त्वत्परितोष–हेतो : ।
   भ्रात्रा किलार्येण तथागतेन प्रवाजितो नेत्र–जलार्द्र–वकत्रः ।।

3. संस्कृत कवियों की राज्याश्रियता का विवेचन कीजिए ।

4. भामह द्वारा दिये गये महाकाव्य–लक्षण की आलोचना कीजिए ।

5. कवि रामकरण शर्मा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

6. रघुवंश महाकाव्य की कथावस्तु का विश्लेषण कीजिए ।

7. बौद्धकवि के रूप में अश्वघोष के महत्त्व का निरूपण कीजिए ।

8. सौन्दरनन्द की समीक्षा ''महाकाव्य के रूप में'' कीजिए ।

9. वेदों के काव्य–सौष्ठव का विवेचन कीजिए ।

10. द्रौपदी द्वारा युधिष्ठर के अनुशासन का विवेचन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XII

(गद्य काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. ''बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वं'' –इस उक्ति की समीक्षा कीजिए ।
2. लक्ष्मी के दोषों के कारणों पर बाण के विचारों का निरूपण कीजिए ।
3. निम्नलिखित गद्यांशों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   (क) अहंकार–दाहज्वर –मूर्च्छान्धकारिता विह्वला हि राजप्रकृतिः अलीकाभिमानोन्मादकारिणी धनानि । राज्य–विष विकार तन्द्राप्रदा राजलक्ष्मी ।
   (ख) न परिचयं रक्षति । नाभिजनमीक्षते । न रूपमालोकयते । न कुलक्रममनुवर्तते । न शीलं पश्यति । न वैदग्ध्यं गणयति । न श्रुतमाकर्णयति । न धर्ममनुरूध्यते । न त्यागमाद्रियते । न विशेषज्ञतां विचारयति । नाचारं पालयति । न सत्यमनुबुध्यते । न लक्षणं प्रमाणीकरोति ।
4. जातकमाला की विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए ।
5. शुकनासोपदेश के आधार पर यौवन के दोषों का वर्णन करते हुये गुरूपदेश के महत्व को अपने शब्दों में लिखिए ।
6. शिबि जातक के आधार पर राजा और अमात्यों के बीच संवाद का निरूपण अपने शब्दों में कीजिए ।
7. निम्नलिखित सन्दर्भों का अनुवाद कीजिए :–
   (क) अथ सा व्याघ्री तेन बोधिसत्त्वस्य शरीर–निपातशब्देन समुत्थापित कौतूहलामर्षा विरम्य स्वतनयवैशसोद्यमात् ततो नयने विचिक्षेप दृष्ट्वैव च बोधिसत्त्वशरीरमुद्गतप्राणं सहसाभिसृत्य भक्षयितुमुपचक्रमे ।
   (ख) अहो बतौदार्यमहो कृपालुता, विशुद्धता पश्य यथास्य चेतसः ।
   अहो स्वसौरव्येषु निरुत्सुका मतिः नमोऽस्तु तेऽभयुद्गत–धैर्य विक्रमः ।।
8. सुमनःपुर की विशिष्टताओं का परिचय दीजिए ।
9. "रयीशः" के पठित अंश का सार संक्षेप में लिखिए ।
10. अम्बिकादत्तव्यास की गद्यशैली का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XIII

(संस्कृत रूपकम्)

वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. 'मृच्छकटिकम्' के प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
2. रूपक के भेदों का परिचय दीजिए ।
3. 'मुद्राराक्षस' के आधार पर चाणक्य का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
4. अर्थ प्रकृति और अवस्थापंचक को स्पष्ट कीजिए ।
5. 'अपूर्वः प्रतिशोधः' के आधार पर द्रौपदी का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
6. 'उत्तररामचरित' के राम और सीता का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
7. 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' के चतुर्थ अंक का सारांश संस्कृत भाषा में लिखिए ।
8. नाटक में पंचसंधि, नान्दी पाठ तथा भरत वाक्य पर प्रकाश डालिए ।
9. भारत के 'नाट्यशास्त्र' का सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।
10. 'नीड़ निर्माणम' शीर्षक की सार्थकता एवं कवि के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XIV

(व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब' से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–"अ"

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रत्ययों पर टिप्पणी लिखिए :–
   (क) टाप् (ख) ङीप्
   (ग) ङीन् (घ) ऊङ्
   (ङ) ति

2. अधोलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए :–
   (क) कृत्यल्युटो बहुलम् (ख) अचो यत्
   (ग) ओरावश्यके (घ) एति–स्तु–शास्–वृ–दृ–जुषः क्यप्
   (ङ) कृत्यश्च

3. निम्नलिखित में किन्हीं ***चार*** शब्द–युग्मों का अर्थ–भेद बताइए :–
   (क) सूर्या–सूरी (ख) आचार्या–आचार्यानी
   (ग) यवन–यवनानी (घ) अर्या–अर्यी
   (ङ) पारिगृहीता–पाणिगृहीती

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पद्रूपों की सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए :–
   (क) कृत्यम् (ख) गद्यम्
   (ग) शिष्यः (घ) प्रयापणीयम्
   (ङ) मृज्यम्

5. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं ***चार*** का सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) अभिप्रत्यतिभ्यः क्षिपः (ख) अणावकर्मकात् चित्तवत्कर्तृकात्
   (ग) व्याङ्परिभ्यो रमः (घ) प्राद्वहः
   (ङ) विभाषाऽकर्मकात्

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :–
   (क) षिद्गौरीदिभ्यश्च (ख) ऊङुतः
   (ग) डाबुभाभ्यामन्यतरस्याम् (घ) अजाद्यतष्टाप्
   (ङ) शाङ्गखाद्यञो ङीन्

खण्ड–"ब"

7. आत्मनेपद प्रक्रिया से सम्बद्ध किन्हीं ***पाँच*** सूत्रों का निरूपण कीजिए ।

8. भूतकालिक तथा निमित्तार्थक कृत्प्रत्ययों से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण उत्तर दीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर टिप्पणी लिखिए :–
   (क) सत् (ख) कृत्य
   (ग) कर्मण्यण् (घ) इगुपधज्ञाप्रीकिरः कः
   (ङ) सनाशंसभिक्ष उः

10. वाच्य किसे कहते हैं ? वाच्य के प्रकारों का विवेचन करते हुए कर्मवाच्य एवं भाववाच्य के रूप में बनाने के नियमों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XV

(संस्कृत शास्त्रों का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. दैवी सिद्धान्त के आधार पर नाट्यशास्त्र की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए ।
2. पाणिनि और उनकी अष्टाध्यायी पर प्रकाश डालिए ।
3. अमरपूर्व कोशीय इतिहास पर प्रकाश डालिए ।
4. प्राक् वराहमिहिर कालीन ज्योतिष के योगदान का वर्णन कीजिए ।
5. बृहत्त्रयी के रचनाकारों के साथ–साथ ग्रंथों के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए ।
6. भारतीय धर्मशास्त्रों की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए ।
7. भारतीय ज्योतिष के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए ।
8. व्याकरणात्मक एवं प्रक्रियात्मक व्याकरणों का सार प्रस्तुत कीजिए ।
9. कोश विद्या के क्षेत्र में अमर सिंह के योगदान का उल्लेख कीजिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :–
    (क) चरक संहिता
    (ख) सारस्वत सम्प्रदाय
    (ग) अष्टांग आयुर्वेद
    (घ) आर्यभट्ट

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XVI

(संस्कृत रचना)

वार्षिक परीक्षा, 2022

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए :–
   (क) प्रिय नाट्यकारः (ख) काव्येषु नाटकं रम्यं (ग) भारवेरर्थगौरवम्

2. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों का संशोधन कीजिए :–
   (क) नीलं मेघः आकाशे सञ्चरति । (ख) शिवस्य त्रयः नेत्राणि सन्ति ।
   (ग) प्रयतमानः जनाः साफल्यं लभते । (घ) अहं श्व विद्यालयं गमिष्यामः ।
   (ङ) मानवजीवने छात्रजीवनं सुखदं सन्ति । (च) आलस्येन कार्यहानिः जायते ।
   (छ) नकुलेन कृष्णसर्पम् इष्टः । (ज) पुरा वीरवीरो नाम राजा आसन् ।
   (झ) अहं ह्यः विद्यालयं गमिष्यामि । (ञ) रामस्य सह सीता गच्छति ।
   (ट) सुहृदस्य गृहं गच्छ । (ठ) भूपतिः सिंहासने अध्यास्ते ।
   (ड) भवानस्य गृहं कुत्र विद्यते ? (ढ) भवान् किं विद्यालयं गच्छसि ।
   (ण) मध्यं फलं रुचति । (त) नीरजः सुलेखः लिखितः ।

3. द्वितीया विभक्ति सम्बद्ध किन्हीं पाँच सूत्रों की सोदाहरण विवचना कीजिए ।

4. निम्नलिखित रेखांकित शब्दों में सूत्र निर्देशपूर्वक विभक्ति–निर्देश कीजिए :–
   (क) रामेण बाणेन हतो रावणः । (ख) अभिनिशते सन्मार्गम् ।
   (ग) स्वस्ति प्रजाभ्यः । (घ) कविषु कालिदासः श्रेष्ठः ।

5. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण कीजिए एवं समुचित शीर्षक लिखिए :–
   भारतीय–मनीषिभिः मनुष्याणां जीवनस्य चत्वारो भागाः कृता । तेषां प्रथमो ब्रह्मचर्य, द्वितीयो गृहस्थाश्रमः, तृतीयो वानप्रस्थः चतुर्थश्च संन्यासाभिधः विद्यते । ब्रह्मचर्यकालः एव मनुष्यस्य विद्याध्ययनकालः । अतः आयुषः सर्वाधिकः मूल्यवान् भागोदयम् । अस्मिन् काले जीवनं निकासोन्मुखं भवति, इन्द्रियाणि सबलानि भवन्ति, बुद्धिश्च तीक्ष्णा भवति, स्मरणशक्तिः उत्तमा जायते । अयमेव समयः भाविजीवननिर्माणस्य । अतः छात्राणां मुख्यं कर्त्तव्यमस्ति विद्याध्ययनम् । परं शरीरस्य मनसः बुद्धेश्च विकासोऽपि अनिवार्यः । यतोहि एषां विकासेन एव जीवने साफल्यं जायते । यूनां विकासेन राष्ट्रविकासो भवति । यतोहि युवकाः राष्ट्रस्य आधारः । विद्यार्थि–जीवने ब्रह्मचर्यस्य पालनम् अतीव आवश्यकम् । ब्रह्मचर्याचरणात् शरीरे बलं वर्द्धते उत्साहश्चापूर्वो उत्पद्यते । विद्यार्थीजीवनस्य मुख्योद्देश्यं विद्यार्जनम् चरित्र–निर्माणम् च । अतः विद्यार्थिभि आदर्शजीवनाय सदाचारसंयुतं यतनीयम् ।

6. निम्नलिखित सूक्तियों में से किन्हीं ***दो*** की संस्कृत व्याख्या कीजिए :–
   (क) बुद्धिर्यस्य बलं तस्य ।
   (ख) वसुधैव कुटुम्बकम् ।
   (ग) परोपकाराय सतां विभूतयः ।

7. द्वन्द्व समाज अथवा कर्मधारय समास की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।

8. अधोलिखित में से किन्हीं ***आठ*** पदरूपों की प्रयोगसिद्धि सूत्रनिर्देश पूर्वक कीजिए :–
   (क) केशाकेशि (ख) त्रिलोकी (ग) कुम्भकारः (घ) भेरीपटहम्
   (ङ) गोधूमचणकम् (च) चन्द्रशेखरः (छ) अनुरूपम् (ज) प्राचार्यः
   (झ) भूतपूर्वः (ञ) सपरिवारः

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की व्याख्या सोदाहरण कीजिए :–
   (क) अकः सवर्णे दीर्घः । (ख) एङः पदान्तादति । (ग) झलां जश् झशि ।
   (घ) शश्छोऽटि । (ङ) अतोरोरप्लुतादप्लुते ।

10. (i) निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :–
    प्रातः, सरलः, कोमलः, प्रसादः, उपसर्गः, उन्नतिः, हिंसा, उदितः, आस्तिकः

    (ii) निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :–
    लक्ष्मी, कृष्णः, गृहम्, चन्द्रमा, जलम्, पर्वतः, पार्वती, पुष्पम्, घोटकः

ꕥ ꕥ ꕥ